



सत्यमेव जयते

संदेश

विशाखपट्टणम्
दि. 23-12-2016.

यह जानकर मुझे प्रसन्नता हुई कि हिन्दी संगम प्रतिष्ठान (न्यूजेर्सी और नई दिल्ली), गीतम विश्वविद्यालय, विशाखपट्टणम् नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति और लोक नायक फाउण्डेशन, विशाखपट्टणम् के संयुक्त तत्वावधान में गीतम विश्वविद्यालय, विशाखपट्टणम् में दि. 6, 7 और 8 जनवरी, 2017 को चतुर्थ अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन का आयोजन करने का निर्णय लिया गया है। सम्मेलन का विषय महत्वपूर्ण और प्रासंगिक भी है। दक्षिण के राज्यों में द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी सीखने की सुविधाएँ उपलब्ध की गयी हैं। द्वितीय भाषा अथवा विदेशी भाषा के रूप में भारत के हिन्दीतर राज्यों और विदेशों में भी हिन्दी के पठन-पाठन की स्थिति की समीक्षा करने और समय-समय पर विद्वानों के विचारों से अवगत होकर हिन्दी भाषा-शिक्षण के कार्यक्रमों को विस्तार देने की आवश्यकता है। इस दृष्टि से यह सम्मेलन उपयोगी प्रमाणित होगा, ऐसा मेरा विश्वास है। हिन्दी का प्रचार राष्ट्रीयता का प्रचार है और हिन्दी के द्वारा संपूर्ण भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है। राष्ट्रभाषा और विश्व भाषा के रूप में हिन्दी के प्रचार को बढ़ावा देना हमारा कर्तव्य है। राजभाषा के रूप में भारत में हिन्दी की स्थिति संतोषजनक रही है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालयों में राजभाषा-नीति के अनुपालन में विशेष रुचि लेकर हिन्दी अधिकारी और कर्मचारी राजभाषा के रूप में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने लगे हैं। वर्तमान पीढी के छात्रों और शोधार्थियों के लिए उपयोगी हिन्दी भाषा-शिक्षण संबंधी योजनाओं को निर्धारित करने और इस क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देने की दिशा में इस सम्मेलन में पारित किये जानेवाले प्रस्ताव, सम्मेलन का प्रतिवेदन और प्रतिभागियों के विचार अवश्य सहायक प्रमाणित होंगे, ऐसा मेरा विश्वास है। देश-विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों के रूप में इस सम्मेलन में भाग लेनेवाले प्रतिभागियों का मैं अभिनंदन करता हूँ और इस अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन के आयोजकों को मैं हार्दिक बधाई देता हूँ।

पूसपाटि अशोक गजपति राजु
नागरिक उड्डयन मंत्री,
भारत सरकार।